...ालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, धनबाद

एम० पी० केश नं० ......596...... / 20..17...... धारा 107 द.प्र.स.

...की तिथि	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पत्र पर की गई कारवाई
6.4.17	अकबर अंसारी बनाम आयुरुद्दीन अंसारी .....कालुबथान..... थाना अप्राथमिकी सं० ..07/17.. प्राप्त हुआ। अवलोकन से स्पष्ट होता है कि जाँच पदाधिकारी स० अ०नि०/अ०नि० ....कालुबथान.... ने जाँच कर अपना प्रतिवेदन थाना प्रभारी ....कालुबथान.... थाना एवं अ० निरी० ....निरसा.... ने अग्रसारित किया है जिसमें उल्लेख है कि उभय पक्षों की बीच ....थाना काण्ड सं० - 85/17 को.... लेकर .... तनाव है। उभय पक्ष कानून को अपने हाथों में लेकर स्थानीय परिशांति भंग करने पर तुले हुए तथा एक दूसरे के जान-माल पर खतरा पहुँचा सकते है। प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि पक्षों के बीच गंभीर तनाव व्याप्त है तथा इनके कार्यों से कभी भी लोक परिशांति भंग हो सकती है। पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर मैं उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 107 द०प्र०सं० की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए उभय पक्षों को निर्देश देता हूँ कि वे मेरे न्यायालय में दिनांक ....2.5.17.... को 10.30 बजे पूर्वाह्न उपस्थित होकर अपना कारण पृच्छा दाखिल करें कि क्यों नहीं लोक परिशांति बनाये रखने के लिए आपके ₹ 5000.00 रू० का दो समप्रतिभुतियों के साथ बन्धपत्र लिया जाय। लेखापित एवं संशोधित ह०/- ह०/- ...पदाधिकारी	18/5/17 29/5/17 12/6/17 28/6/17 14/7/17 29/7/17 14/8/17 31/8/17 13/9/17 26/9/17 17/10/17 30/10/17 10/11/17 24/11/17 13/12/17 समाप्त

18.6.17

30/10/17 – प्रथम पक्ष अनु० है।
द्वितीय पक्ष 7/1 की हाजरी है। ई० 1/5 का आवेदन है जिस ——— किया जाता है
उभय पक्ष S/C दाखिल करें
अग्रि० 10/11/17 को रखें।
ह०
30/10/17

10-11-17 उभय पक्ष अनुपस्थित।
उभय पक्ष S/C दाखिल करें –
दि० 24/11/17 को रखें
ह०
10/11/17

24/11/17 – प्रथम पक्ष अनु० है।
द्वितीय पक्ष 7/1 की हाजरी है। ई० 1/5 का आवेदन है
जिस ——— किया जाता है

दि० 13/12/17 को रखें

ह०

13/12/17 – प्रथम पक्ष 6/2 की हाजरी है। एवं अन्य अनु० है। तथा S/C दाखिल है।
S/C
1st

द्वितीय पक्ष 7 की हाजरी है। एवं 1 का आवेदन है
जिस ——— किया जाता है

उभय पक्ष के माध्यम से प्रार्थना-पत्र द्वारा समय विस्तार का आवेदन न्यायालय को प्राप्त नहीं हुआ और न ही थाना से संबंधित थाना की पुनर्वासी का प्रतिवेदन न्यायालय को प्राप्त है। अतः कालबाधित होने के कारण 915 की कार्यवाही न्यायहित में समाप्त

Digitally signed by PREM KUMAR TIWARY
Date: 2023.08.23 15:33:31 +05:30
Location: 192.168.29.44

Scanned with OKEN Scanner